1. **'विद्या ददाति विनयम्' का अर्थ क्या है?**
   A. विद्या धन देती है
   B. विद्या विनय देती है
   C. विद्या बल देती है
   D. विद्या दुःख देती है (B)

व्याख्या : श्लोक में कहा गया है कि विद्या विनय प्रदान करती है।

2. **विनय से क्या प्राप्त होता है?**
   A. पात्रता
   B. क्रोध
   C. दुःख
   D. आलस्य (A)

व्याख्या : श्लोकानुसार विनयाद् याति पात्रताम्, अर्थात विनय से पात्रता प्राप्त होती है।

3. **पात्रता से क्या प्राप्त होता है?**
   A. मित्रम्
   B. धनम्
   C. दुःखम्
   D. भयम् (B)

व्याख्या : पात्रत्वाद् धनमाप्नोति—पात्रता से धन की प्राप्ति होती है।

4. **धन से क्या प्राप्त होता है?**
   A. सुखम्
   B. शोकः
   C. भयम्
   D. रोगः (A)

व्याख्या : श्लोक में धनाद् धर्मः ततः सुखम् कहा गया है।

5. **विदेश में बन्धु के समान कौन होता है?**
   A. धनम्
   B. विद्या
   C. मित्रम्
   D. बलम् (B)

व्याख्या : श्लोक के अनुसार विदेशेषु धनं विद्या, अर्थात विदेश में विद्या ही श्रेष्ठ सहारा है।

6. **'विद्या रूपं कुरूपाणाम्' का भाव क्या है?**
   A. विद्या कुरूप व्यक्ति का रूप है
   B. विद्या धन नष्ट करती है
   C. विद्या केवल राजा के लिए है
   D. विद्या दुःख देती है (A)

व्याख्या : श्लोक में कहा गया है कि विद्या कुरूप व्यक्ति के लिए भी रूप के समान होती है।

7. **'निर्धनानां बलं विद्या' में विद्या किसकी शक्ति कही गई है?**
   A. धनवानों की
   B. निर्धनों की
   C. राजाओं की
   D. शत्रुओं की (B)

व्याख्या : निर्धनानां बलं विद्या—विद्या निर्धनों का बल है।

8. **विद्वान् कहाँ पूजित होता है?**
   A. केवल घर में
   B. केवल विद्यालय में
   C. सर्वत्र
   D. केवल विदेश में (C)

व्याख्या : श्लोक में कहा गया है—विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।

9. **'अलस्यस्य कुतो विद्या' का सही भाव क्या है?**
   A. आलसी को विद्या कैसे मिलेगी
   B. आलसी बहुत विद्वान होता है
   C. विद्या से आलस्य बढ़ता है
   D. आलस्य धन देता है (A)

व्याख्या : श्लोक का भाव है कि आलसी व्यक्ति विद्या प्राप्त नहीं कर सकता।

10. **'पुस्तकस्था तु या विद्या' का भाव क्या है?**
    A. केवल पुस्तक में रही विद्या उपयोगी नहीं
    B. पुस्तक ही सबसे बड़ा धन है
    C. विद्या केवल पुस्तक में होती है
    D. पुस्तक पढ़ना आवश्यक नहीं (A)

व्याख्या : श्लोक का भाव है कि जो विद्या केवल पुस्तक में रह जाए और व्यवहार में न आए, वह आवश्यकता के समय उपयोगी नहीं होती।

मिशन ज्ञान
मन चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyaan App